CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper 10 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए

- इस प्रश्नपत्र में 2 खंड हैं खंड अ और खंड ब।
- खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड ब में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

संस्कृतियों के निर्माण में एक सीमा तक देश और जाति का योगदान रहता है। संस्कृति के मूल उपादान तो प्रायः सभी सुसंस्कृत और सभ्य देशों में एक सीमा तक समान रहते हैं, किंतु बाहय उपादानों में अंतर अवश्य आता है। राष्ट्रीय या जातीय संस्कृति का सबसे बड़ा योगदान यही है कि वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा से संपृक्त बनाती है, अपनी रीति-नीति की संपदा से विच्छिन्न नहीं होने देती। आज के युग में राष्ट्रीय एवं जातीय संस्कृतियों के मिलन के अवसर अति सुलभ हो गए हैं, संस्कृतियों का पारस्परिक संघर्ष भी शुरू हो गया है। कुछ ऐसे विदेशी प्रभाव हमारे देश पर पड़ रहे हैं, जिनके आतंक ने हमें स्वयं अपनी संस्कृति के प्रति संशयालु बना दिया है। हमारी आस्था डिगने लगी है। यह हमारी वैचारिक दुर्बलता का फल है।

अपनी संस्कृति को छोड़, विदेशी संस्कृति के विवेकहीन अनुकरण से हमारे राष्ट्रीय गौरव को जो ठेस पहुंच रही है, वह किसी राष्ट्रप्रेमी जागरूक व्यक्ति से छिपी नहीं है। भारतीय संस्कृति में त्याग और ग्रहण की अद्भुत क्षमता रही है। अतः आज के वैज्ञानिक युग में हम किसी भी विदेशी संस्कृति के जीवंत तत्वों को ग्रहण करने में पीछे नहीं रहना चाहेंगे, किंतु अपनी सांस्कृतिक निधि की उपेक्षा करके नहीं। यह परावलंबन राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है। यह स्मरण रखना चाहिए कि सूर्य की आलोकप्रदायिनी किरणों से पौधे को चाहे जितनी जीवनशक्ति मिले, किंतु अपनी जमीन और अपनी जड़ों के बिना कोई पौधा जीवित नहीं रह सकता। अविवेकी अनुकरण अज्ञान का ही पर्याय है।

I. आधुनिक युग में संस्कृतियों में परस्पर संघर्ष प्रारंभ होने का प्रमुख कारण बताइए।
   i. अनेक संस्कृतियों के मिलन से अतिक्रमण
   ii. बाह्य उपादान में अंतर

iii. आस्था का डिगना
iv. वैचारिक दुर्बलता

II. अविवेकी अनुकरण किसका पर्याय है?
i. अज्ञानता का
ii. साक्षरता का
iii. ज्ञान का
iv. संस्कृति का

III. संस्कृति के निर्माण में किसका योगदान है?
i. केवल जाति का
ii. केवल देश का
iii. जाति और देश का
iv. उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं

IV. हम अपनी सांस्कृतिक संपदा की उपेक्षा क्यों नहीं कर सकते?
i. क्योंकि यह हमारी संस्कृति है
ii. क्योंकि यह राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है
iii. क्योंकि यह राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप है
iv. क्योंकि यह हमारी संस्कृति नहीं है

V. हम विदेशी संस्कृति से क्या ग्रहण कर सकते हैं?
i. संस्कृति के जीवंत तत्वों को
ii. संस्कृति के अजीवंत तत्वों को
iii. संस्कृति के त्याग को
iv. संस्कृति के ग्रहण की क्षमता को

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है। समाचार पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। ऐसा लगता है देश में कोई ईमानदार आदमी रह ही नहीं गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस समय सुखी वही है, जो कुछ है। जो कुछ नहीं करता, जो भी कुछ करेगा, उसमें लोग दोष खोजने लगेंगे। उसके सारे गुण भुला दिये जायेंगे और दोषों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाने लगेगा। दोष किसमें नहीं होते? यही कारण है कि हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम या बिलकुल ही नहीं। यह चिंता का विषय है।

तिलक और गांधी के सपनों का भारतवर्ष क्या यही है? विवेकानंद और रामतीर्थ का आध्यात्मिक ऊँचाई वाला भारतवर्ष कहाँ है? रवींद्रनाथ ठाकुर और मदनमोहन मालवीय का महान, सुसंस्कृत और सभ्य भारतवर्ष पतन के किस गहन गर्त में जा गिरा है? आर्य और द्रविड़, हिंदू और मुसलमान, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलनभूमि 'महामानव समुद्र' क्या सूख ही गया है?

यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ और फरेब का रोज़गार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ईमानदारी को मूर्खता का पर्याय समझा जाने लगा है, सचाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है, किंतु ऐसी दशा से हमारा उद्धार जीवन-मूल्यों में आस्था रखने से ही होगा। ऐसी स्थिति में हताश हो जाना ठीक नहीं है।

I. 'मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है' का आशय क्या है?
   i. देश की दुर्दशा को देखकर लेखक का चिंतित होना
   ii. लेखक का मन बैठ जाना
   iii. लेखक को घबराहट होना
   iv. लेखक के द्वारा मन को बिठाना

II. इस समय सुखी कौन है?
   i. जो कुछ भी करता है
   ii. जो कुछ भी नहीं करता है
   iii. जो काम करता है
   iv. जो चिंतन करता है

III. लेखक ने चिंता का विषय किसे माना है?
   i. लोगों का गुणी कम और दोषी अधिक होना
   ii. लोगों का गुणी अधिक और दोषी कम होना
   iii. लोगों का दोषी होना
   iv. लोगों का गुणी होना

IV. मूर्खता का पर्याय किसे समझा जाने लगा है?
   i. दोषों को
   ii. गुणों को
   iii. ईमानदारी को
   iv. सत्यता को

V. आज समाज में जीवन-मूल्यों की स्थिति क्या है?
   i. उनके बारे में लोगों की आस्था हिलने लगी है
   ii. उनके बारे में लोगों की आस्था मज़बूत हो गई है
   iii. उनके बारे में लोगों ने सोचना बंद कर दिया है
   iv. इनमें से कोई नहीं

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

पतंग के जन्म के बारे में ठीक-ठीक जानकारी तो इतिहास में नहीं मिलती, पर कुछ ठोस जानकारी के हिसाब से करीब दो हजार वर्ष पूर्व चीन में किसी किसान ने मजाक-मजाक में अपनी टोपी में डोरी बाँधकर हवा में उछाल दिया था, और वह दुनिया की

पहली पतंग बन गई। बाद में कुछ चीनी व्यापारियो से होते हुए यह विश्वभर में प्रचलित हो गई।
आज भारत के गुजरात राज्य के अहमदाबाद शहर में होने वाले काईट उत्सव से हर कोई परिचित है। इस महोत्सव में भाग लेने के लिए हर वर्ष विश्व के कोने-कोने से प्रतियोगी भारत आते हैं। इन दिनों गुजरात की छठा ही निराली होती है। आसमान में उडती रंगबिरंगी पतंगें मानो जादू सा कर देतीं हैं, हर कोई इस उत्सव में खिचा चला आता है। पूरा आसमान विभित्र आकारों की रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाता है।

दो हजार ग्यारह में देश की राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट पर पतंगबाजी आईपीएल दो दिन हुआ था। पहले दिन देश के कोने-कोने से आये खिलाड़ी पेंच लड़ाते नजर आये दूसरा दिन आम लोगों के नाम हुआ। इस मुकाबले में महिलाओं को भी हुनर दिखने का मौका मिला। वैसे तो भारत में बच्चे गर्मियों की छुट्टी में पतंग उड़ाते हैं किन्तु कई राज्यों में मकर-संक्रांति, छब्बीस-जनवरी एवं पंद्रह अगस्त को पतंग उड़ाई जाती हैं। ऊंचीं उड़ती पतंग खिलाड़ियों के मन में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित करती है तो नकारात्मकता स्वयं दूर हो जाती है।
पतंगबाजी मानव को कल्पनाशील भी बनाती है। जिस प्रकार पतंग विपरीत हवा में आसमान में ऊँची उड़ती है, वैसे ही विपरीत परिस्थितियों में ही मनुष्य के धेर्य तथा साहस की परीक्षा होती है। पतंगबाजी से पूरे शरीर का व्यायाम भी हो जाता है।

I. दुनिया की पहली पतंग कहाँ उड़ाई गई ?
   i. चीन
   ii. अहमदाबाद
   iii. गुजरात
   iv. भारत

II. काईट उत्सव कहाँ मनाया जाता है?
   i. गुजरात
   ii. भारत
   iii. दिल्ली
   iv. अहमदाबाद

III. भारत में पतंग कब-कब उड़ाई जाती है?
   i. छब्बीस जनवरी
   ii. पंद्रह अगस्त
   iii. मकर संक्रांति
   iv. उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं

IV. राजधानी दिल्ली में पतंग आईपीएल कब हुआ था ?
   i. 2012
   ii. 2011
   iii. 2013
   iv. 2014

V. पतंगबाज़ी मानव को कैसा बनाती है ?

i. कल्पनाहीन

ii. कल्पनाशील

iii. विवेकहीन

iv. मूर्ख

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित है। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्ति की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपने पेशे या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है, भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्राय आती है, क्योंकि उद्योग धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो तो इसके लिए भूखे मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत है। इस प्रकार पेशा-परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

I. कुशल श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए क्या आवश्यक है?

i. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।

ii. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं न कर सके।

iii. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे उसके पेशे का चुनाव दूसरे न कर सके।

iv. व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे उसके पेशे का चुनाव दूसरे कर सके।

II. जाति-प्रथा के सिद्धांत का दूषित विचार क्या है ?

i. उसके पेशे का उसके द्वारा निर्धारण करना

ii. उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना

iii. उसके पेशे को निश्चित करना

iv. उसके पेशे को अपर्याप्त करना

III. हिन्दू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को कौनसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है ?

i. जो उसका पैतृक पेशा न हो

ii. जो उसका पैतृक पेशा हो

iii. जिसमें वह पारंगत न हो

iv. जिसमें वह पारंगत हो

IV. कौनसा विभाजन मनुष्य की रूचि पर आधारित है?

i. जाति प्रथा

ii. जाति विभाजन

iii. श्रम विभाजन

iv. उपरोक्त में से कोई नहीं

V. प्रतिकूल परिस्थिति में व्यक्ति पेशा बदलने की स्वतंत्रता न मिलने पर क्या हो सकता है?

i. उसके भूखे मरने की नौबत आ सकती है

ii. उसके पेशा बदलने की नौबत आ सकती है

iii. उसके जाति बदलने की नौबत आ सकती है

iv. उसके श्रम करने की नौबत आ सकती है

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाक्य में कितने प्रकार के पदबंध आते हैं ?

a. पाँच

b. छह

c. तीन

d. चार

ii. 'मीरा **हिंदी की अध्यापिका** है। ' में कौन सा पदबंध है?

a. विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. क्रिया पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iii. 'मैं **कल चार बजे** पहुँच जाऊँगा।' में कौन सा पदबंध है।

a. क्रिया पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iv. 'वह नौकर से कपड़े **धुलवा रही है**।' में कौनसा पदबंध है ?

a. क्रिया विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया पदबंध

v. 'विशेषण पदबंध' का उचित उदाहरण कौन सा है ?

a. मैंने एक नई कार खरीदी

b. सब लोग मंदिर गए हैं

c. नृत्य करने वाली लडकियाँ चली गई

d. वह बहुत धीरे चल रही है

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. इन वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान करो-

a. वर्षा तब हुई, जब सुबह हुई।

b. सुबह होने पर वर्षा होने लगी।

c. सुबह हुई और वर्षा होने लगी।

d. जैसे ही सुबह हुई, वर्षा होने लगी।

ii. इन वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. अगर तुम बैठे हो तो उसकी प्रतीक्षा कर लो।

b. तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।

c. तू यहाँ बैठ कर उसकी प्रतीक्षा करो।

d. जब तुम यहाँ बैठो. तो उसकी प्रतीक्षा कर लेना।

iii. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्यों की पहचान कीजिए-

a. क्योंकि नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

b. नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

c. नीलू बीमार होने के कारण बाज़ार नहीं गई।

d. नीलू तब बाज़ार नहीं गई, जब वह बीमार थी।

iv. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. मैं गले में दर्द होने के कारण कुछ नहीं बोलूँगा।

b. क्योंकि मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

c. मेरे गले में दर्द है। मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

d. मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

v. निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. यद्यपि कल छुट्टी है, इसलिए बाज़ार बंद रहेगा।

b. जब छुट्टी होगी, तब बाज़ार बंद रहेगा।

c. छुट्टी होने के कारण बाज़ार बंद रहेगा।

d. कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. जिस समस्त पद के विग्रह में कारकीय चिह्नों का प्रयोग किया जाता है-

a. तत्पुरुष

b. कर्मधारय

c. द्विगु

d. द्वंद्व

ii. जिस समास का पहला पद अव्यय होता है, _______ कहलाता है।

a. अव्ययीभाव समास

b. बहुब्रीहि समास

c. तत्पुरुष समास

d. द्वंद्व समास

iii. जिस पद में पूर्व पद विशेषण और उत्तर पद विशेष्य होता है।

a. कर्मधारित समास

b. कर्मधारण समास

c. कर्मधारय समास

d. कर्मधरय समास

iv. जिस समास में पूर्व पद संख्यावाची होता है।

a. द्विगु समास

b. तत्पुरुष समास

c. द्वंद्व समास

d. कर्मधारय समास

v. इस समास में पूर्व पद व उत्तर पद की अपेक्षा कोई अन्य पद प्रधान होता है।

a. कर्मधारय समास

b. बहुब्रीहि समास

c. द्वंद्व समास

d. द्विगु समास

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. इतना रुपया व्यर्थ करना ठीक नहीं, यह तो तुम्हारे पिताजी की _____ है |

a. कड़ी कमाई

b. व्यर्थ कमाई

c. गाढ़ी कमाई

d. काली कमाई

ii. कक्षा में प्रथम आना है तो तुम्हें खूब ______ पड़ेंगे |

a. पापड़ बनाने

b. पापड़ खाने

c. पापड़ बेलने

d. पापड़ पकाने

iii. भयंकर साँप को देखकर मेरे _______|

a. प्राण डूब गए

b. प्राण सूख गए

c. प्राण उड़ गए

d. प्राण भाग गए

iv. दूसरों के लिए _______ करने वालों के लिए स्वयं ही सारे रास्ते बंद हो जाते हैं |

a. दीवार खड़ी

b. दीवार बंद

c. दीवार बनाने का काम

d. दीवार चढ़ने

v. संयम के पास थोड़ा रुपया क्या आया, वह तो _______लगा है |

a. हवा में चलने

b. हवा पर बैठने

c. हवा से बातें करने

d. हवा में उड़ने

7. **निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करे
वह जवानी जो खूँ में नहाती नहीं
आज धरती बनी है दुलहन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो
राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फतह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले

I. फतह का जश्न किस जश्न के बाद है?

i. जिंदगी के

ii. आजादी के

iii. बलिदान के

iv. इश्क के

II. नए काफ़िले सजाने का क्या आशय है?

i. नए सैनिक तैयार करना
ii. नए यात्री तैयार करना
iii. कुर्बानी देना
iv. जमीन को बचाना

III. 'रुस्वा' शब्द का क्या अर्थ है?
i. सौंपना
ii. जीत
iii. बलिदान
iv. बदनाम

IV. जिंदगी और मौत के गले मिलने से क्या तात्पर्य है?
i. जीत जाना
ii. शहीद होना
iii. लड़ाई करना
iv. खुशी मनाना

8. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्भुत दैवीय शक्ति थी। तताँरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता। किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोग-बाग तलवार में अद्भुत शक्ति का होना मानते थे। तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।

I. तताँरा कैसा व्यक्ति था?
i. सुंदर और शक्तिशाली
ii. चर्चित व्यक्ति
iii. नेक और मददगार
iv. निकम्मा और बेकार

II. ततांरा का परम कर्तव्य क्या था?
i. द्वीप की सेवा और सुरक्षा
ii. गाँव की रक्षा
iii. समुद्र की रक्षा
iv. वामीरो से विवाह करना

III. तताँरा की तलवार कैसी थी?

i. अद्भुत शक्ति वाली

ii. लकड़ी की

iii. युद्ध जिताने वाली

iv. साहसी

IV. लोग ततॉरा के करीब क्यों रहना चाहते थे?

i. आत्मीय स्वभाव के कारण

ii. तलवार होने के कारण

iii. आकर्षक व्यक्तित्व के कारण

iv. पारंपरिक पोशाक के कारण

V. मुसीबत के वक्त ततॉरा क्या करता था ?

i. तलवार निकालता था

ii. दैवीय पोशाक पहनता था

iii. त्याग करता था

iv. लोगों की मदद करता

9. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और चाहे आज तुम मेरी ही जमात में आ जाओ और परीक्षकों का यही हाल है, तो निस्संदेह अगले साल तुम मेरे समकक्ष हो जाओगे और शायद एक साल बाद मुझसे आगे भी निकल जाओ, लेकिन मुझमें और तुममें जो पाँच साल का अंतर है, उसे तुम क्या, खुदा भी नहीं मिटा सकता। मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और हमेशा रहूँगा। मुझे दुनिया का और जिंदगी का जो तजुरबा है, तुम उसकी बराबरी नहीं कर सकते, चाहे तुम एम.ए. और डी. फिल् और डी.लिट् ही क्यों न हो जाओ। समझ किताबें पढ़ने से नहीं आती, दुनिया देखने से आती है। हमारी अम्माँ ने कोई दरजा नहीं पास किया और दादा भी शायद पाँचवीं-छठी जमात के आगे नहीं गए, लेकिन हम दोनों चाहे सारी दुनिया की विद्या पढ़ लें, अम्माँ और दादा को हमें समझाने और सुधारने का अधिकार हमेशा रहेगा। केवल इसलिए नहीं कि वे हमारे जन्मदाता हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें दुनिया का हमसे ज़्यादा तजुरबा है और रहेगा।

I. उपरोक्त गद्यांश के अनुसार निम्न में से कौन सी बात सही है?

i. बड़ों से आगे निकालना

ii. बड़ों का अनुभव छोटो के लिए फायदेमंद है

iii. परीक्षा में उत्तीर्ण होना

iv. आत्मगौरव की हत्या करना

II. समझ कैसे आती हैं?

i. दुनिया को समझने से

ii. किताबें पढ़ने से

iii. उच्च शिक्षा प्राप्त कर के

iv. बिना पढे

III. बड़े भाई के अम्मा और दादा को उन्हे सुधारने का अधिकार हमेशा रहेगा। क्यों?

i. क्योंकि उन्होंने पढ़ाई नहीं कि है
ii. क्योंकि उनके पास अधिक तजुर्बा है
iii. क्योंकि उन्होंने कुटुंब का पालन किया है
iv. क्योंकि वे पैसे को मोहताज नहीं है

IV. बड़े भाई उम्र में कितने बड़े थे?

i. सात साल
ii. तीन साल
iii. एक साल
iv. पाँच साल

V. दोनों भाइयों में बड़े भाई को जीवन का तजुर्बा अधिक क्यों है?

i. क्योंकि बड़े भाई उम्र में पाँच साल बड़े हैं
ii. क्योंकि बड़े भाई पढ़ाई में एक दरजा आगे हैं
iii. क्योंकि बड़े भाई फेल हो गए है
iv. क्योंकि उनके पास पैसे अधिक है

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. कक्षा में प्रथम आने पर छोटे भाई के स्वभाव में क्या परिवर्तन आ गया था? 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर लिखिए |
ii. तताँरा-वामीरो कथा की इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए - बस आस की एक किरण थी जो समुद्र की देह पर डूबती किरणों की तरह कभी भी डूब सकती थी।
iii. सुलेमान ने चींटियों का भय किस तरह दूर किया? अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ के आधार पर बताइए।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:

'सतर्क पंथ' और 'समर्थ भाव' से क्या अभिप्राय है? स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने बचपन का वर्णन किस प्रकार किया है?
ii. महंत द्वारा हरिहर काका को समझाए जाने पर उनकी मनःस्थिति कैसी हो गई?
iii. टोपी नवीं कक्षा में दो बार फ़ेल हो गया। बताइए- टोपी की भावनात्मक परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **आलस्य : मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- आलस्य और मनुष्य जीवन
- आलस्य के नुकसान

- सफलता पाने के लिए आलस्य को त्यागना आवश्यक

ii. **प्लास्टिक की दुनिया** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- प्लास्टिक का आविष्कार और इसका उपयोग
- प्लास्टिक के गुण एवं दोष
- प्लास्टिक का पर्यावरण पर प्रभाव

iii. **बाग़वानी** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

- शौक और सौंदर्य
- साफ़-सुथरी ताज़ा सब्ज़ी
- बचत

14. अपने क्षेत्र में भारी यातायात के कारण होने वाली असुविधाओं का वर्णन करते हुए क्षेत्र के सांसद को पत्र लिखकर उन्हें दूर करने का अनुरोध कीजिए।

OR

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर स्थानांतरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु अनुरोध कीजिए।

15. विद्यालय की समाज सेवा परिषद् के सचिव आशील सिंहल हैं। आप प्रौढों की साक्षरता के लिए एक सप्ताह का शिविर लगाना चाहते हैं। इसके लिए विद्यार्थी रोज शाम को एक गाँव में जाकर चौपाल में प्रौढों को अक्षर ज्ञान कराया करेंगे। इच्छुक विद्यार्थियों का पंजीकरण 30 मार्च तक होना है। उनके आने जाने की व्यवस्था परिषद् की ओर से की जाएगी। इस हेतु एक सूचना तैयार कीजिए।

OR

दिल्ली विकास प्राधिकरण ने विभिन्न निवेदादाताओं में से कुछ योग्य निविदादाताओं को अपनी आवश्यकता के अनुरूप पाया है। उन्होंने अपनी निविदा में कार्य की क्या कीमत निर्धारित की है उसे बताने के लिए निविदादाताओं की सभा बुलाने के लिए 20-25 शब्दों में एक सूचना जारी कीजिए।

16. आपका अंग्रेज़ी और हिंदी दोनों भाषाओं का ज्ञान उच्चकोटि का है। आप अपने भाषा ज्ञान का लाभ उठाकर गर्मियों की छुट्टियों में अर्थोपार्जन करना चाहते हैं। एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में लिखिए।

OR

पुस्तक विक्रेता के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

17. **प्रकृति की छाँव** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

संगत का असर विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi B

Sample Paper 10 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) अनेक संस्कृतियों के मिलन से अतिक्रमण

   II. (i) अज्ञानता का

   III. (iii) जाति और देश का

   IV. (ii) क्योंकि यह राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है

   V. (i) संस्कृति के जीवंत तत्वों को

OR

   I. (i) देश की दुर्दशा देखकर लेखक का चिंतित होना

   II. (ii) जो कुछ भी नहीं करता है

   III. (i) लोगों का गुणी कम और दोषी अधिक होना

   IV. (iii) ईमानदारी को

   V. (i) उनके बारे में लोगों की आस्था हिलने लगी है

2. I. (I) चीन

   II. (IV) अहमदाबाद

   III. (IV) उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं

   IV. (II) 2011

   V. (II) कल्पनाशील

OR

   I. (i) व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना कि वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।

   II. (ii) उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना

   III. (ii) जो उसका पैतृक पेशा न हो

   IV. (iii) श्रम विभाजन

   V. (i) उसके भूखे मरने की नौबत आ सकती है

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

   i. (a) पाँच

   Explanation: संज्ञा पदबंध, सर्वनाम पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध

ii. (b) संज्ञा पदबंध

Explanation: संज्ञा पद में यदि विशेषण पद जोड़ दिया जाता है तो संज्ञा पदबंध बन जाता है।

iii. (d) क्रिया विशेषण पदबंध

Explanation: वह पदबंध जो क्रियाविशेषण पद के स्थान पर प्रयुक्त होकर वही कार्य करता है जो अकेला एक क्रियाविशेषण पद कर रहा था, तब उसे क्रिया विशेषण पदबंध कहते हैं।

iv. (d) क्रिया पदबंध

Explanation: कोई भी 'क्रिया' शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होता है तब उसमें 'सहायक क्रिया ' के प्रत्यय जुड़ते हैं। इस तरह मुख्य क्रिया तथा सहायक क्रिया से युक्त पूरी रचना अपने में पदबंध ही होती है।

v. (a) मैंने एक नई कार खरीदी

Explanation: क्योंकि इसमें विशेषण का समूह आया है अतः यही विशेषण पदबंध का सही उदाहरण है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) सुबह हुई और वर्षा होने लगी।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि संयुक्त वाक्य में दो सरल वाक्य 'योजक' शब्दों द्वारा जुड़े होते हैं और उनका अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है। इस विकल्प में 'और' योजक शब्द का प्रयोग दो वाक्यों को जोड़ने के लिया किया जा रहा है, इसलिए यह संयुक्त वाक्य है।

ii. (b) तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि संयुक्त वाक्य योजक शब्द के द्वारा जुड़े होने पर भी अपना स्वतंत्र अस्तित्व रखते हैं और उनसे पूरे अर्थ का बोध होता है। इस विकल्प में भी दोनों वाक्य स्वतंत्र है किन्तु संयुक्त वाक्य बनाने के लिए समुच्चयबोधक अव्यय 'और' का प्रयोग किया गया है।

iii. (b) नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों वाक्य 'इसलिए' योजक से जुड़े हैं पर वे एक दूसरे पर आश्रित नहीं हैं। वे दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे हैं।

iv. (d) मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इसमें दोनों वाक्य 'इसलिए' योजक शब्द से जुड़े हैं पर वे एक दूसरे पर आश्रित नहीं हैं। वे दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे है। इनके बीच कार्य और कारण का संबंध है।

v. (d) कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों वाक्य 'अतः' योजक शब्द से जुड़े हैं और दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) तत्पुरुष

Explanation: तत्पुरुष, उदाहरण- दानपेटी = दान <u>के लिए</u> पेटी।

ii. (a) अव्ययीभाव समास

Explanation: अव्ययीभाव समास

उदाहरण- आमरण = आ + मरण

अर्थ- मरण तक

iii. (c) कर्मधारय समास

Explanation: कर्मधारय समास

उदाहरण- लालमिर्च = लाल है जो मिर्च

लाल- विशेषण

मिर्च- विशेष्य

iv. (a) द्विगु समास

Explanation: द्विगु समास

उदाहरण- त्रिकोण = तीन कोनों का समाहार (समूह)

v. (b) बहुब्रीहि समास

Explanation: बहुब्रीहि समास

उदाहरण- गिरिधर = गिरि को धारण करने वाला अर्थात श्रीकृष्ण।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) गाढ़ी कमाई

Explanation: गाढ़ी कमाई -कड़ी मेहनत के बाद अर्जित धन

ii. (c) पापड़ बेलने

Explanation: पापड़ बेलने - कई तरह के उपाय (येन-केन प्रकारेण)

iii. (b) प्राण सूख गए

Explanation: प्राण सूख गए -बुरी तरह घबरा जाना

iv. (a) दीवार खड़ी

Explanation: दीवार खड़ी करना - मुसीबतें खड़ी करना

v. (d) हवा में उड़ने

Explanation: हवा में उड़ने लगा - वास्तविकता से दूर

7. I. (iii) बलिदान के

II. (i) नए सैनिक तैयार करना

III. (iv) बदनाम

IV. (ii) शहीद होना

8. I. (iii) नेक और मददगार

II. (i) द्वीप की सेवा और सुरक्षा

III. (ii) लकड़ी की

IV. (i) आत्मीय स्वभाव के कारण

V. (iv) लोगों की मदद करता

9. I. (ii) बड़ों का अनुभव छोटो के लिए फायदेमंद है

II. (i) दुनिया को समझने से

III. (ii) क्योंकि उनके पास अधिक तजुर्बा है

IV. (iv) पाँच साल

V. (i) क्योंकि बड़े भाई उम्र में पाँच साल बड़े हैं

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. कक्षा में प्रथम आने पर छोटे भाई के स्वभाव में बहुत अंतर आ गया था। उसे स्वयं पर थोड़ा अभिमान हुआ और आत्मसम्मान भी बढ़ा। उसे लगने लगा था कि बड़े भाई साहब उसे उपदेश देते थे, परंतु स्वयं फेल हो गए, इसलिए अब वह खेलकूद में निर्भीक होकर पहले से भी अधिक समय व्यतीत करने लगा। अब उसे उनकी डाँट का भय भी नहीं रहा था। उसको यह लगने लगा था कि वह कम मेहनत करके भी पास हो जाएगा। उस पर बड़े भाई का पुराना आतंक अब नहीं रहा।

ii. इस पंक्ति के जरिए तताँरा के मन की उधेड़बुन को दर्शाया गया है। वामीरो से मिलने की प्रतीक्षा में वह बैचैन रहता था। उसकी प्रतीक्षा आशा और निराशा के बीच झूलती रहती थी। तताँरा वामीरो से मिलने के लिए उम्मीद की हल्की सी किरण के सहारे जी रहा था।

iii. सुलेमान के फौज के लश्कर के साथ गुजरते हुए घोड़ों की टापों की आवाज सुनकर चींटियाँ भयभीत होकर भागने लगीं | उनका भय दूर करने के लिए सुलेमान ने अपने आप को सबका रखवाला बताया और कहा कि उससे भयभीत होकर भागने की आवश्यकता नहीं है।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए: 'सतर्क पंथ' शब्द का अर्थ 'सावधान यात्री' अर्थात् हमारा जीवन एक यात्रा है और मनुष्य उस जीवन-पथ पर चलने वाला यात्री है। यदि मनुष्य एक सावधान यात्री की तरह आगे बढ़ता है, तो उसे सदैव लक्ष्य व कर्तव्यों का बोध रहता है। रास्ते में विघ्न और बाधाएँ उसे पथभ्रष्ट नहीं कर पातीं, तब व्यक्ति 'सतर्क पंथ' शब्द को चरितार्थ करता है। 'समर्थ भाव' से अभिप्राय है-सब व्यक्तियों की यथासंभव सहायता और परोपकार। इसलिए अपनी लक्ष्य प्राप्ति के साथ-साथ मनुष्य की जीवन-शैली ऐसी होनी चाहिए, जिससे उसका भी भला हो और दूसरों का भी कल्याण अवश्य हो, तभी हम समर्थ भाव से अपनी जीवन-यात्रा को पूर्ण कर सकते हैं।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. पाठ के अनुसार लेखक ने अपने बचपन की विभिन्न घटनाओं का वर्णन किया है। इस पाठ में बचपन के खेल , स्कूल के दिन, अध्यापकों का बर्ताव, छुट्टियाँ आदि का चित्रण किया गया है।

लेखक ने अपने जीवन की खट्टी - मीठी यादें जैसे कि गाँव के तालाब में नहाना, रेत के टीले पर लौटना, पढ़ने के लिए केवल समय-सारणी बनाना, गलती करने पर विद्यालय में मुर्गा बनना आदि का वर्णन किया है।

ये यादें ऐसी थी कि लेखक आज भी इनमें खो जाता है और ऐसा लगता है ये उसकी ही नहीं सबके बचपन की मस्तियाँ भी कुछ ऐसी ही थी। ये ऐसी घटनाएँ हैं जो किसी के भी हृदय को गुदगुदा सकती हैं ।

ii. जब ठाकुरबारी में महंत ने हरिहर काका को समझाया कि यदि वह अपनी ज़मीन को ठाकुरबारी के नाम लिख देंगे, तो उनका नाम अमर हो जाएगा और समाज में उनका सम्मान बढ़ जाएगा, तब उन्हें लगा कि उन्हें इस पुण्य अवसर को ठुकराना नहीं चाहिए। दूसरे ही क्षण उन्होंने यह सोचा कि उसके भाइयों का परिवार भी तो अपना ही परिवार है। यदि वह

अपने भाइयों को अपनी ज़मीन-जायदाद का हिस्सा नहीं देते, तो यह अपने परिवार से विश्वासघात करने जैसा होगा। चाहे कुछ भी हो जाए परिवार के सदस्य ही तो अंतिम समय तक काम आते हैं। यहीं सब सोचकर हरिहर काका असमंजस की स्थिति में आ गए। उनसे महंत को न कुछ कहते बना और न ही कुछ सोचते बना। काका को अपने भाइयों से बहुत प्रेम था और वे अपनी ज़मीन अपने भाइयों में ही बांटना चाहते थे। इसी लिए महंत के इतना समझाने पर भी उनका मन अडिग रहा और वे अपने परिवार जानो से धोका नहीं करना चाहते थे इसी कारणवश उसनहोने ने महंत या ठाकुरबाड़ी के नाम अपनी नहीं लिखी।

iii. परिवार से प्रताड़ित और उपेक्षित टोपी जब एक कक्षा में दो बार फेल हो गया, तब वह स्वयं को भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करने लगा। इस दृष्टिकोण से आज की शिक्षा व्यवस्था में विशेष बदलाव की आवश्यकताएँ हैं। सर्वप्रथम छात्रों के संवेगात्मक लगाव के विकास की ओर ध्यान देना चाहिए। शिक्षण पद्धति का उद्देश्य सिर्फ परीक्षा पास करना ही नहीं होना चाहिए। प्रत्येक विद्यालय में मनोवैज्ञानिकों की नियुक्ति होनी चाहिए, जिससे वे छोटी उम्र के बच्चों की समस्याओं का निदान कर सकें। लिखित परीक्षा के आधार पर ही नहीं, बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व के आधार पर विद्यार्थी का आकलन किया जाए। माध्यमिक स्तर तक अनुत्तीर्ण होने की पद्धति नहीं होनी चाहिए। अध्यापकों को सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए। पढ़ाई में कमज़ोर छात्रों का मजाक उड़ाने की अपेक्षा उनका मनोबल बढ़ाना चाहिए।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **आलस्य : मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु**

आलस्य दुःख, दरिद्रता, रोग परतंत्रता, अवनति आदि का जनक है। आलस्य के रहते हुए मनुष्य को विकास और उसके ज्ञान में वृद्धि का प्रश्न ही नहीं उठता। आलस्य को राक्षसी प्रवृत्ति की पहचान कहा जाता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रातःकाल की शुद्ध वायु अत्यंत आवश्यक है। आलसी व्यक्ति इस हवा का आनंद भी नहीं उठा पाते और प्रातःकालीन भ्रमण एवं व्यायाम के अभाव में उनका शरीर रोगग्रस्त हो जाता है। आलसी विद्यार्थी पूरा वर्ष सोकर गुजारता है और परिणाम आने पर सबसे आँखें चुराता है। आलस्य मनुष्य की इच्छाशक्ति को कमज़ोर बनाकर उसे असफलता के गर्त में धकेल देता है। आलसी को छोटे-से-छोटा काम भी पहाड़ के समान कठिन लगने लगता है और वह इससे छुटकारा पाने के लिए तरह-तरह के बहाने तलाशने लगता है।

आलस्य का त्याग करने से मनुष्य को अपने लक्ष्य को निश्चित समय में प्राप्त करने में सफलता मिलती है। जीवन में वही व्यक्ति सफलता प्राप्त कर सकता है, जो आलस्य को पूरी तरह त्यागकर कर्म के सिद्धांत को अपना ले। इस प्रकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु आलस्य ही है। यह मनुष्य को पतन के मार्ग पर ले जाता है और कुछ ही समय में मनुष्य का नाश कर देता है। अतः इसका त्याग करने में ही मनुष्य की कल्याण निहित है।

ii. **प्लास्टिक की दुनिया**

प्लास्टिक का आविष्कार ड्यू बोयस एवं जॉन द्वारा किया गया था। प्लास्टिक का उपयोग मशीन के कल-पुर्जो, पानी की टंकियों, दरवाज़ों, खिड़कियों, चप्पल-जूतों, रेडियो, टेलीविज़न, वाहनों के हिस्सों, आदि में किया जाता है, क्योंकि प्लास्टिक से बनी वस्तुएँ आसानी से खराब नहीं होतीं। यदि किसी कारण ये टूट-फूट जाएँ, तो इन्हें फिर से बनाकर पुनः उपयोग में लाया जा सकता है।

इनमें मनचाहा रंग मिलाकर इन्हें अधिक आकर्षक भी बनाया जा सकता है। यही कारण है कि प्लास्टिक से बने आकर्षक रंग-बिरंगे फूल असली फूलों से अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। आज लोगों को बाज़ार से सामान प्लास्टिक के बने आकर्षक थैलों में पैक करके मिलता है।

इसके अनेक उपयोग के बावजूद प्लास्टिक से बनी वस्तुओं से पर्यावरण बुरी तरह दुष्प्रभावित हो रहा है। प्लास्टिक कभी न गलने-सड़ने वाला पदार्थ है, जिसके कारण भूमि, जल, पर्यावरण आदि अत्यधिक प्रदूषित होते जा रहे हैं। अतः हमें प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना चाहिए, ताकि पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सके।

iii. प्रकृति और पेड़ पौधों से प्यार करने वालो को बागवानी बहुत पसंद होती है। यह कुदरत से प्यार करने का अच्छा तरीका है। बागवानी से हमें अनेक तरह का लाभ होता है। अक्सर घर में वृद्ध लोग बागवानी करके अपना टाइम पास करते है। जिससे समय का उपयोग भलीप्रकार हो जाता है और उनका मन भी प्रसन्न रहता हैं। यह खाली वक्त बिताने का बहुत अच्छा विकल्प होता है।

हरे भरे पेड़ पौधे, फल किसे पसंद नही होते है। पौधों, फूलो को देखने मात्र से कितनी ख़ुशी मिलती है। बागवानी करने से हमारी कसरत (व्यायाम) भी हो जाता है और फल, सब्जियाँ भी मिल जाते है। इससे डबल फायदा है। आम के आम और गुठलियों के दाम।

आपके बगीचे में सब्जियां उगाना आपके लिए हर तरह से फायदेमंद होता है। एक बात के लिए, आपको सब्जियों पर कीटनाशकों और रसायनों का उपयोग करने के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि आप वास्तव में जानते हैं कि आपने उन्हें बढ़ने में मदद करने के लिए क्या उपयोग किया है। दूसरे, आपको सबसे बुनियादी तरीके से अपने और अपने परिवार के लिए प्रदान करने से आत्म-संतुष्टि की एक विशाल भावना मिलती है।

14. परीक्षा भवन,

उत्तर प्रदेश।

दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,

श्रीमान सांसद नजफगढ़,

विषय राष्ट्रीय राजमार्ग के यातायात को नियंत्रित करने के संदर्भ में।

महोदय,

आपके क्षेत्र का जागरूक नागरिक होने के नाते मैं आपका ध्यान राष्ट्रीय राजमार्ग के यातायात की ओर दिलाना चाहता हूँ। हमारे नगर के जिस भाग से राष्ट्रीय राजमार्ग (दिल्ली-देहरादून) गुजरता है, वहाँ हमेशा दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। नगरवासी लंबी दूरी के वाहनों और नगर की भीड़ से परेशान रहते हैं। यह समस्या स्थायी है। इसका समाधान करने के लिए दीर्घकालीन और सुविचारित योजना का होना अत्यंत आवश्यक है। मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि आप एक सांसद होने के नाते अपने प्रभाव का प्रयोग करते हुए अपने नगर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक लंबा पुल बनवाएँ। इसी से समस्या का स्थायी समाधान निकल सकता है।

आशा है कि आप मेरे सुझाव पर ध्यान देते हुए इस पर शीघ्र कार्यवाही करेंगे।

धन्यवाद।

प्रार्थी
गोपाल

OR

परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
कैनेडी पब्लिक स्कूल,
दिल्ली।
विषय स्थानांतरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु।
महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैंने इस वर्ष आपके विद्यालय से कक्षा नौवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है और मैं अभी दसवीं कक्षा में अध्ययनरत हैं। अचानक ही मेरे पिताजी द्वारा यहाँ की नौकरी से त्याग-पत्र देकर करनाल जाने के कारण मुझे भी करनाल जाकर दसवीं कक्षा में प्रवेश लेना होगा। इसके लिए मुझे स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होगी।
अतः आपसे निवेदन है कि मुझे एक स्थानांतरण प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया जाए, जिसमें मेरी शैक्षणिक योग्यताओं के अतिरिक्त खेल तथा सांस्कृतिक गतिविधियों का भी उल्लेख किया गया हो। यह मुझे वहाँ प्रवेश दिलाने में अतिरिक्त मदद करेगा। धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
गोविंद
कक्षा-दसवीं 'ब'
अनुक्रमांक -19

15.

प्रतिभा विकास विद्यालय, मेरठ

सूचना

दिनांक 11 मार्च, 2019

प्रौढ़ साक्षरता शिविर का आयोजन

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय की ‘समाज सेवा परिषद्’ समिति की ओर से 'साप्ताहिक प्रौढ़ साक्षरता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विद्यार्थियों द्वारा 15 अप्रैल, 219 से 25 अप्रैल, 2019 तक शाम 6-8 बजे तक गाँव में जाकर चौपाल में प्रौढ़ों को अक्षर ज्ञान कराया जाएगा। विद्यार्थियों के आने जाने की व्यवस्था परिषद् की ओर से की जाएगी।

इच्छुक विद्यार्थी शीघ्र अपना पंजीकरण कराएँ जिसकी अंतिम तिथि 30 मार्च, 2019 है।

आशील सिंहल

सचिव, समाज सेवा परिषद्

OR

दिल्ली विकास प्राधिकरण

(I.S.O. 9001:2008 एवं I.S.O. 14001:2004 प्रमाणित संस्था)

पत्र सं० 271/व्याव० अनु०/14	दिनांक 25/02//2014

"प्राइस-बिड खोले जाने संबंधी सूचना"

कोयल एन्क्लेव योजना स्थित ग्रुप हाउसिंग भूखंड सं० जी०एच०-6 की टू बिड सिस्टम के अंतर्गत नीलामी के संबंध में दिनांक 18.02.2014 को प्राप्त निविदाओं में मै० ओमकार नेस्टस प्रा०लि० एंड कंसोर्टियम एवं मै० जे० के० जी० कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंसोर्टियम की तकनीकी बिड अर्ह पायी गयी है। अतः संबंधित निविदादाताओं को सूचित किया जाता है कि उक्त अर्ह निविदादाताओं की प्राइस बिड दिनांक 28 को सायं 4.00 बजे प्राधिकरण सभागार में खोली जाएगी।

कृपया सभी निविदादाता निर्धारित समय पर दिल्ली विकास प्राधिकरण सभागार में उपस्थित होने का कष्ट करें।

16.

PWN शॉर्ट टर्म लैंग्वेज क्लासिस

इन गर्मी की छुट्टियों में अपने भाषा ज्ञान को बढ़ाइए

और स्वयं के व्यक्तित्व को निखारिए

- हिंदी और अंग्रेजी भाषा का उच्च कोटि का ज्ञान
- समूह चर्चा
- कम फीस में उपलब्ध
- मौखिक और लिखित कक्षाएँ
- व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण
- आइए और अपनी भाषा संबंधी समस्याओं को दूर कीजिए प्रवेश प्रारंभ
- प्रथम 25 इच्छुक लोगों को 10% की छूट

संपर्क करें: B-775 मोती नगर, दिल्ली

फोन नं. 011-40011XX

OR

"ज्ञान का दीप जलाने वाली

नया पाठ पढ़ाने वाली

हर कीमत में उपलब्ध

इसके लिए कम हैं शब्द"

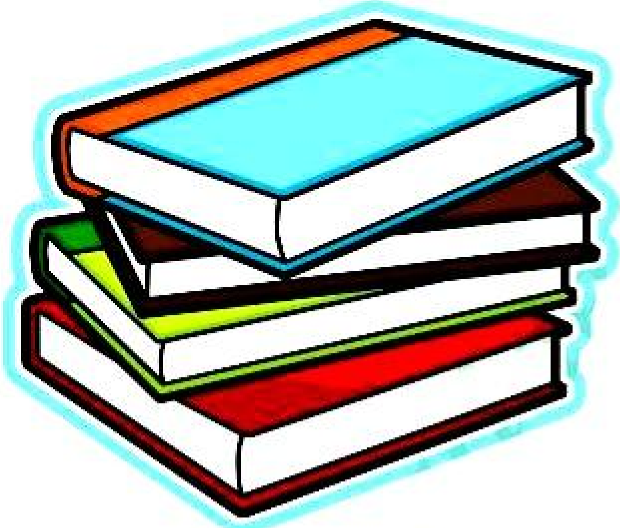

पुस्तकें हैं मनुष्य की सच्ची साथी

इसके जैसा न कोई थाती

पवनहंस बुक शॉप

संपर्क करें

पता:- राजनगर पालम, नई दिल्ली

फोन नं. 011252645XX

17. **प्रकृति की छाँव**

जिन बच्चों का शहर में जन्म होता है और वे उसी परिस्थिति में पले बढ़े हो, उनको प्रकृति के बीच आकर ऐसा महसूस होता है कि वे किसी और ही दुनिया में आ गए हों। ऐसा ही कुछ चिंकी के साथ हो रहा था। जब से वह अपने दादा-दादी के पास उनके गाँव में अपनी छुट्टियाँ मनाने आयी थी। चारों तरफ हरियाली और भिन्न प्रकार के पेड़-पौधों को देखकर उसे ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वो किसी काल्पनिक दुनिया में आ गई हो। ना यहाँ पर किसी प्रकार का शोरगुल था और ना ही ऊँची इमारतों से भरी हुई जगह थी।

उसके घर के पास बहुत बड़ी जगह थी जिसमें आम और लीची के बहुत-से पेड़ लगे हुए थे, फिर भी उसके खेलने के लिए जगह पर्याप्त थी। ऐसे ही छुट्टियाँ कब समाप्त हुई, उसे पता ही नहीं चला। मन नहीं होने के बावजूद भी उसे शहर वापस जाना था। लेकिन जाते-जाते उसने ये ठान लिया कि शहर में भी अपने घर के आस-पास वो हरा-भरा वातावरण रखेगी और अगली छुट्टियों में फिर से इस प्रकृति की छाँव में जरूर आएगी।

OR

संगत का असर

मैं आज आपको अपने जीवन का एक किस्सा सुनाना चाहता हूँ, जिसने मेरी जिंदगी में बहुत सारे बदलाव किए। बचपन से ही मुझे मेरे माता-पिता ने अच्छे संस्कार दिए है और उनके दिए गए संस्कारों ने मुझे प्रभावित भी किया। लेकिन बाहर पढ़ने जाने के बाद मेरे जीवन में कुछ नए दोस्तों का आगमन हुआ। उनमें कुछ बुराइयाँ थीं, लेकिन मैंने सोचा कि इसका मुझपर कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन साथ रहते-रहते धीरे-धीरे मुझपर भी उनका कुछ असर पड़ने लगा। मैं भी अपने सारे अच्छे संस्कारों को छोड़कर उनके बताए रास्तों पर चलने लगा और जल्द ही बुरे कामों का परिणाम भी मेरे सामने आ गया। मैं अपनी अगली परीक्षा में फेल हो गया और तब जाकर मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ कि मैं किस रास्ते पर चल पड़ा था। सच ही कहा गया है कि बुरी संगत का बुरा असर ही होता है।